लैंगिक अपराध से पीड़ित बालकों के लिए न्याय पाने के दौरान यह बातें जान लें

सुनवाई के दिन पर

यह आप ज़रूर करें

सुनिश्चित करें कि बालक भूखा न हो क्योंकि प्रक्रिया लंबी और थकान भरी होगी। सुनिश्चित करें कि बालक ने नियमित भोजन खाया है। भोजन और पानी अपने साथ रखें।

बालक चिंतित होगा। कोशिश करें और उसको शांत करें। उनकी बात सुनें। सकारात्मक और उचित रूप से प्रतिक्रिया दें। उसके आत्मविश्वास की पुनः पुष्टि करें।

यदि न्यायालय तक की यात्रा लंबी है,तो सुनिश्चित करें कि बालक व्यस्त है। आप उन्हें मोबाइल गेम और वीडियो गेम खेलने दे सकते हैं,रंग करने की किताबें,खिलौने आदि दे सकते हैं। जब आप न्यायालय में बालक के साथ इंतजार कर रहे होंगे तो यह भी सहायक हो सकता है।

न्यायालय जाते हुए रास्ते में,लोक अभियोजक (पी.पी) से संपर्क करें और पता लगाएं कि वह कहां हैं। उनसे एक बार सलाह लें कि आप न्यायालय पहुंच कर कहां प्रतीक्षा करें - लोक अभियोजक (पी.पी) के कार्यालय में या किसी अन्य स्थान पर।

जब केस आरंभ होने वाला हो, तो पुलिस कॉन्स्टेबल आपके साथ होंगे। लेकिन आपको सचेत रहना चाहिए। क्योकि आरोपी के रिश्तेदार/मित्र/शुभचिंतक वहां मौजूद होंगे।

यह भी संभावना है कि आरोपी और बालक के बीच अनावश्यक सामना हो। सावधान रहें। यदि आरोपी बालक को बहुत ज़्यादा दिखाई दे रहा है,तो तुरंत कॉन्स्टेबल को सतर्क कर दें और आरोपी को स्थानांतरित करें। लेकिन रिश्तेदार हो सकता है अपने स्थान पर ही रहें।

बालक को सलाह दीजिएः उसकी तरफ न देखें। डरे नहीं। सुनिश्चित करें कि आप एक भी बार आमना-सामना नहीं होने देंगे।

बालक से अपनी पहली पेशी के बारे में कैसे बात करें

यदि बालक 164 सी.आर.पी.सी बयान से गुज़र चुका है,तो उसको बताएं कि यह एक अलग न्यायालय होगा।

उसे न्यायालय के साथ शुरू होने वाले दिन का एक विस्तृत अवलोकन दें। उन दृश्यों का वर्णन करें जो वे न्यायालय के बाहर भी देखेंगे। हथकड़ी में लोग होंगे। वहां कई पुलिस और अजनबी होंगे। लेकिन उसको बताएं कि आप हर कदम पर साथ होंगे और वे पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा।

न्यायालय के विवरण को विस्तार से दोहराएं ताकि बालक को पता चल सके कि क्या उम्मीद है। संदर्भ के रूप में एक फिल्म या तस्वीर का उपयोग करें। उसे बताएं कि एक न्यायाधीश और 2 टाइपिस्ट होंगे। उसे बताएं कि आप उपस्थित होंगे और साथ ही विश्वसनीय वयस्क और वकील भी। उसे यह भी बताएं कि आरोपी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों की एक टीम भी उपस्थित होगी।

उन्हें बताएं कि आरोपी भी वहां होगा क्योंकि उसे कार्यवाही सुनने की आवश्यकता होगी। लेकिन उन्हें यह भी आश्वस्त करें कि जहां तक संभव हो,उनके और आरोपी के बीच कोई संपर्क नहीं होगा। लेकिन यदि कोई भी करीब से आमना-सामना हो,तो बालक चिंता न करे। उसे बताएं कि हर कोई उसको वहां सुरक्षित रखेगा।